भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 211

(जिसका उत्तर मंगलवार, 19 जुलाई, 2022/28 आषाढ़, 1944 (शक) को दिया जाना है)

रुपये के अवमूल्यन की वजह से अर्थव्यवस्था पर कुप्रभाव

211. श्री राम नाथ ठाकुरः

क्या **वित्त मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विगत तीन वर्षों के दौरान डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया कितना गिरा है;

(ख) भारतीय रुपये में इस गिरावट की वजह से देश की अर्थव्यवस्था पर कितना कुप्रभाव पड़ रहा है; और

(ग) भारतीय रुपये के गिरने के कारण आयतित वस्तुओं के मूल्यों में कितनी वृद्धि हुई है?

उत्तर

वित्त राज्य मंत्री (श्री पंकज चौधरी)

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये का मूल्यवृद्धि/मूल्यह्रास नीचे दिया गया है:

तालिका 1: अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये का मूल्यवृद्धि/मूल्यह्रास

वित्तीय वर्ष	प्रशंसा (+) / मूल्यह्रास (-)
2019-20	(-) 8.46%
2020-21	(+) 3.32%
2021-22	(-) 3.53%
वित्त वर्ष 23 में 11 जुलाई, 2022 तक	(-) 4.60%

स्रोत: भारतीय रिजर्व बैंक

(ख) और (ग) सांकेतिक विनिमय दर अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने वाले कारकों में से केवल एक है। मुद्रा के मूल्यह्रास से निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता में वृद्धि होने की संभावना है परिणामतः वह अर्थव्यवस्था को सकारात्मक रूप से प्रभावित करती है। दूसरी ओर, मूल्यह्रास आयातित वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि कर सकता है। हालांकि, घरेलू कीमतों पर विनिमय दर मूल्यह्रास का समग्र प्रभाव घरेलू बाजार में अंतरराष्ट्रीय वस्तु कीमतों के पारगमन की सीमा पर निर्भर करता है।

****